समस्या

नगर निगम छिंदवाड़ा की दमकल के भरोसे रहता पूरा मोहखेड़ क्षेत्र

मोहखेड़ जनपद में 79 ग्राम पंचायत इसके बाद नहीं एक भी दमकल वाहन

नवभारत न्यूज
मोहखेड़, 14 मार्च, गर्मी का सीजन शुरू हो गया है इसी के साथ क्षेत्र में आग लगने की घटनाएं होगी। परंतु मोहखेड जनपद जिसके अंतर्गत 79 ग्राम पंचायत आती हैं। ग्रामीण क्षेत्र में आग लगने की घटना होने पर नगरनिगम छिंदवाड़ा की दमकलें घटनास्थल पर जाती है। 79 ग्राम पंचायत वाला विशाल क्षेत्र और लगा हुआ जंगल गेहूं की फसल काटने के बाद किसानों द्वारा मूंग की खेती के लिए नरवाई में आग लगा दी जाती है। नरवाई की आग हवा के साथ ग्रामीण फसल वाले खेतों तक पहुंच कर पिछले साल भी नुकसान पहुंचा चुकी है।

लंबे समय से फायर ब्रिगेड की मांग बनी हुई है।जब भी आगजनी की घटना होती हैं नगरनिगम छिंदवाड़ा से फायर ब्रिगेड पहुंचने में समय लगता है। गर्मी के सीजन में ही सबसे अधिक आग लगने की घटनाओं से भारी नुकसान होता आया है इसी कारण मोहखेड जनपद में ग्रामीण किसानों की सुरक्षा और सूचना पर तत्काल फायर ब्रिगेड पहुंचे इसके लिए मोहखेड जनपद में फायर ब्रिगेड होना जरूरी है.

शहर से मोहखेड़ जनपद क्षेत्र की लंबी दूरी

क्षेत्र में गर्मी के मौसम में आए दिन हो रही आगजनी की घटनाओं में क्षति पर अंकुश लगाने के लिए क्षेत्रीय लोगों ने ब्लाक मुख्यालय पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन से मांग की है। क्षेत्र में आधा दर्जन से भी अधिक आगजनी की घटनाएं हो चुकी है, लेकिन जिला मुख्यालय की दूरी करीब कई गांवो कि दूरी 50-60 किलोमीटर से अधिक होने से फायर ब्रिगेड की गाड़ी समय से नहीं पहुंच पाती है। इसके चलते किसानों या अन्य लोगों की आग लगी की घटना में काफी क्षति हो जाती है।.

ग्रामीण करते हैं स्वयं जुगाड़

गांवों में आगजनी की घटना होने के स्थिति में ग्रामीण स्तर पर लोग इकट्ठे होकर स्वयं आग पर काबू पाने की जुगत में लग जाते हैं। निजी व घरेलू पंप मोटर से पाईप से पानी का छिड़काव करते हैं। वहीं महिला-पुरूष सहित युवा वर्ग अपने-अपने हिसाब से पानी ढ़ो कर आग बुझाने का भरसक प्रयास करते हैं। पंचायतों में दमकल की व्यवस्था नहीं होने के कारण गांवों में आगजनी की घटना होने पर इस तरह का नजारा अक्सर देखने को मिलता है। कई मर्तबा ग्रामीणों की सुझबुझ से ही आगजनी पर किसी अनहोनी से पहले ही काबू पाने में कामयाब हो जाते हैं।

गांव में जागरूकता भी जरूरी

हर साल आगजनी की घटनाएं सामने आती है, जिसमें ज्यादातर खलिहानों में रखे फसल जलने के ज्यादा मामले सामने आते हैं। इसके पीछे एक वजह यह है कि लोग गर्मी के दिनों में खेतों में पड़े अवशेष पर खुले जगहों पर जला देते हैं और बिना बुझाएं वापस आ जाते हैं। आग दो-तीन दिन तक सुलगते रहते हैं। गर्मी में वैसे ज्वलन गति तेज रहती है, जो इस तरह के लापरवाही से आगजनी की घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। इससे लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

नरवाई जलाने पर प्रतिबंध

प्रतिवर्ष कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा गेहूं की नरवाई में आग लगने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। प्रतिबंध लग जाता है परंतु नरवाई में आग लगाकर खेतों का कचरा साफ करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। गेहूं की फसल काटने के बाद जलती नरवाई और फैला धुंआ दिखलाई देता है। निचले स्तर पर प्रतिबंध का पालन करने की जिम्मेदारी न होने और उदासीनता से संपूर्ण क्षेत्र में खेतों में आग धधकती रात में दिखलाई देती रहती है।

अपर सत्र न्यायालय जुन्नारदेव में हुआ नेशनल लोक अदालत का आयोजन

नवभारत न्यूज
जुन्नारदेव, 14 मार्च, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर से प्राप्त आदेशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशांत हुददार के निर्देशन में तथा राकेश सिंह जी के कुशल मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति जुन्नारदेव द्वारा महेंद्र मांगोदिया जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति जुन्नारदेव के नेतृत्व में शनिवार को महेंद्र मांगोदिया जिला न्यायाधीशध्अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति जुन्नारदेवए द्वारा माॅ दीप प्रज्जवलित एवं माल्र्यापण कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया।

नेशनल लोक अदालत शुभारंभ कार्यक्रम में श्रीमती पूजा सिंह मौर्यए प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जुन्नारदेवए प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड जुन्नारदेव के प्रथम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश जुन्नारदेवए राजेन्द्र शर्मा, अध्यक्ष अभिभाषक संघ जुन्नारदेवए इंद्रजीत धंडोरे, सचिव व अन्य अधिवक्तागण व खण्डपीठ सुलहकर्ता सदस्य अजय मालवीय, आनंद आसोलकर, सुनिल पाल, बैंक पैनल अधिवक्ता प्रशांत सोनी, तहसील न्यायालय जुन्नारदेव के समस्त कर्मचारीगणए तहसील विधिक सेवा समिति जुन्नारदेव के कर्मचारी सहित जुन्नारदेव अंतर्गत बैंकों के अधिकारीगण एवं नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में जिला एवं अपर सत्र न्यायालय जुन्नारदेव के न्यायालयों से क्रमशः प्रकरणों को निराकरण किया गया जिला न्यायाधीश महेन्द्र मांगोदिया व्दारा कुल 21 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 6 प्रकरण व हिन्दू मेरिज के 06 प्रकरणए 01 चौक अनादरण के प्रकरण तथा अन्य सिविल एवं आपराधिक 08 अन्य प्रकरणों का निराकरण किया गया। न्यायाधीश श्रीमति पूजा सिंह मौर्य व्दारा कुल 35 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 21 दांडिक प्रकरणए 04 चौक अनादरण के प्रकरण तथा यातायात अधिनियम संबंधी 10 प्रकरण का निराकरण किया गया। इसी प्रकार न्यायाधीश राहुल सोनी जी द्वारा कुल 31 प्रकरणों का निराकरण किया गयाए जिसमें 09 दांडिक प्रकरणए विविध दांडिक के 21 प्रकरणए 01 चौक अनादरण के प्रकरण का निराकरण किया गया।

इस प्रकार कुल 31 दांडिक प्रकरण चौक अनादरण के 6 प्रकरण व मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 6 प्रकरण विविध दांडिक के 27ए सिविल के अन्य 7 प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया गया।

नेशनल लोक अदालत में अन्य विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में विद्युत विभाग द्वारा 55 प्रकरणों में समझौता किया गया जिसमें रूपये 731000 की वसूली की गई तथा इसी क्रम में का समझौता नगर पालिका के जलकर संबंधी प्रकरणो मे लगभग 192685 रूपये तथा संपत्तिकर के प्रकरणों में लगभग 1556298 रूपये की वसूली की गई साथ ही बैंकों व्दारा लगभग 154000 रूपये की वसूली की गई।

आम के पेड़ों में सुनहरी महकती आम की 'बौर'

भीनी-भीनी खुशबू से पूरा वातावरण खुशनुमा

नवभारत न्यूज
धनोरा(जागीर), 14 मार्च, सर्दियों की विदाई और बसंत की दस्तक के साथ ही तेज तपन वाली गर्मी का आगाज और फलों का राजा आम मुंह के स्वाद के साथ मौसम में भी रंगत घोल देता है अभी के समय में आम के पेड़ों में रौनक लौट आई है। आम के पेड़ों पर बौर के बाद छोटी छोटी अमियां आने का सिलसिला शुरू हो गया है। फिजाओं में घुली बौर की भीनी-भीनी खुशबू इस बात का संकेत दे रही है कि इस बार फलों के राजा आम की पैदावार अच्छी रहने वाली है।

क्षेत्र के घरों, खेतों और बगीचों में लगे आम के पेड़ों पर आए बौर (फूल) की भीनी-भीनी खुशबू से पूरा वातावरण खुशनुमा हो गया है। जिधर देखो, उधर आम के पेड़ सुनहरी और हल्की पीली रंगत से लदे नजर आ रहे हैं।

इस बार मौसम के अनुकूल रहने से फलों के राजा आम की बंपर फसल देखने को मिलेगी। फिलहाल, मधुमक्खियों और कीटों की भिनभिनाहट आम के पेड़ों में परागण (Pollination) की प्रक्रिया को तेज कर रही है, जो फल बनने के लिए बेहद जरूरी

धनोरा जागीर का प्रसिद्ध आम

धनोरा जागीर के राजा परिवार के खेत में लगे वर्षो पुराने आम जिसमें कलमी, बसनया आम क्षेत्र में काफी प्रचलित है धनोरा के समीपस्त ग्राम भुमका के समृद्ध किसान पूरनलाल इनवाती के खेत बागवानी में भी लगभग 200 पेड़ आम के जिसमें कलमी, लंगड़ा,दसहरी आदि किस्म के पेड़ है जिससे किसान की आमदानी भी बढी है पूरन लाल इनवाती समृद्ध किसान है जिनकी प्रसंशा जिला ही नही बल्कि प्रदेश स्तर पर की जा रही है धनोरा क्षेत्र में किसान पूरनलाल इनवाती से प्रेरित होकर धनोरा में स्वयं सेवी संस्था संकल्प तरु के ऑपरेशन क्वाडिनेटर ओजश डेहरिया द्वारा क्षेत्रीय किसानों से आम के लगभग 10000 दस हजार पेड़ लगवाए गये है जिसमें दशहरी, बाम्बे ग्रीन, मल्लिका, चोरसा, केसर इत्यादि प्रजाति के पेड़ किसान उमेश डेहरिया, अरविंद डेहरिया, शैलेन्द्र सोनी, अभिषेक सोनी,मोहन डेहरिया (शिक्षक) बसंत विश्वकर्मा(शिक्षक) भुमका,धर्मेंद्र सूर्यवंशी पथरकटी, ओमकार चौहान चौरासीढ़ाना अन्य किसानों के आम मे पेड़ जो अभि के समय में छोटे है लेकिन समय रहते अच्छी बागवानी धनोरा क्षेत्र में देखने को मिलेगी जिससे वातावरण तो शुद्ध हो रहा है आगामी समय में बागवानी से आम फलों की अन्य किस्मों फलों का स्वाद भी धनोरा में मिलने की सम्भावना है।

बिजली की आंख मिचौली से ग्रामीणजन हो रहे परेशान

अधिकारी नहीं दे रहे हैं ध्यान

नवभारत न्यूज
मोहखेड़, 14 मार्च, इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा अपने मन के मुताबिक ग्रामीणों के विद्युत कनेक्शनों पर भार में बढ़ोत्तरी कर दी गई जिसकेक्क्चलते अनुमानित रूप से बिल भेजते हुये जहां शासन की योजना से बाहर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। वही दूसरी ओर ग्रामवासियों को मन माफिक बिल देते हुए मंहगाई के दौर में उनके घरो के बजट को बिगाड़ते हुये उत्सह को तो फीका कर दिया गया है।

मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय गाँवो में जिस प्रकार से बिजली की आँख मिचौली चल रही है। उसके चलते लोग परेशान हो रहे है तो वही दूसरी ओर बच्चें अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन में खराबी आ जाने के कारण बंद हुई है सुधार कार्य चल रहा है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व बिजली विभाग द्वारा सुधार के नाम पर संपूर्ण नगर की बिजली बंद रखी गई थी, और कहा गया था कि अब जरूरत के दौरान लोगों को बिजली की परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि क्षेत्र में प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब बारिश के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की आंख मिचोली के चलते सर्वधिक परेशानी नगर के उन रिहाईशी इलाकों के निवासियों को हो रही है। जहां पानी की सप्लाई नलकूपों के माध्यम से की जाती है। इन इलाको में बार बार बिजली बंद होने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस प्रकार से लगातार हो रही बिजली की अघोषित कटौती को लेकर नागरिको का कहना है कि शाम ढलने के साथ ही बिजली की आँख मिचौली शुरू हो जाती है जो लगभग सारी रात व दिन में भी जारी रहती है।

आईपीआर पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा, 14 मार्च, भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के अंतर्गत एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर द्वारा छिंदवाड़ा चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं जिला प्रशासन छिंदवाड़ा के सहयोग से एमएसएमई इकाइयों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 11 मार्च 2026 को छिंदवाड़ा में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों को बौद्धिक संपदा अधिकार, ट्रेडमार्क, डिज़ाइन रजिस्ट्रेशन, जीआई टैग, वित्तीय सहायता, ई-कॉमर्स, शासकीय योजनाओं, मार्केटिंग एवं लोन प्रोसेस से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही एमएसएमई इकाइयों को विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में एमएसएमई इंदौर से सहायक निदेशक गौरव गोयल एवं विकास, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से महाप्रबंधक रघुवर शाह उइके, उप संचालक उद्यानिकी विभाग एम.एल. उइके, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से एलडीएम अजय कुमार, अध्यक्ष छिंदवाड़ा चेंबर ऑफ कॉमर्स से श्याम सुंदर चंडक अपने पदाधिकारियों के साथ उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं को कला संस्कृति, वन औषधी, ऐतिहासिक धरोहर, पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की दिशा में एक्सपोजर विजिट कराई गई

नवभारत न्यूज
जुन्नारदेव, 14 मार्च, म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड जुन्नारदेव जिला छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक अखिलेश कुमार जैन के तत्वाधान में जिले भर में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू छात्र छात्राओं को आज विकासखंड जुन्नारदेव में विकासखंड समन्वयक संजय कुमार बामने के नेतृत्व में ग्राम पंचायत हिरदागढ़ में भ्रमण करवाया गया।

भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत हिरदागढ़ में सर्वप्रथम सामुहिक सत्र का आयोजन किया गया। हरियागढ़ किले के कुछ मुख्य आकर्षण, तवा नदी उद्गम, कली कंकाली माता मंदिर,चंडीमाता मंदिर, हरियागढ़ किले के भग्नावशेष और प्राचीन खंडहर, खप्पर दाई का ठाना, देवगढ़ किले की सुरंग, प्राकृतिक गुफा और राजा जाटवा कालीन के ऐतिहासिक धरोहर,वन औषधी, साथ ही पर्यावरण संरक्षण, आदिवासी कला संस्कृति के बारे में छात्र छात्राओं को बताया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक संजय कुमार बामने ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये विद्यार्थियों को किताबों की सीमाओं से परे जाकर सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों को किताबों में पढ़े सिद्धांतों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का मौका मिलता है।शैक्षिक भ्रमण शिक्षा को रोचक बनाने और विद्यार्थियों को सीखने में रुचि जगाने का एक शानदार तरीका है। जब वे किताबों में पढ़ने के बजाय वास्तविक जीवन में चीजों को देखते हैं, तो वे उन्हें बेहतर ढंग से समझते हैं और लंबे समय तक याद रखते हैं। व्यावहारिक शिक्षा विद्यार्थियों को और अधिक सीखने के लिए प्रेरित करती है और उनमें जिज्ञासा पैदा करती है। उन्हें सीखने का एक मजेदार तरीका मिलता है। ग्राम पंचायत हिरदागढ़ सरपंच श्रीबसोड़ी दर्शमा ने बताया गया कि पुरातत्व विभाग की धरोहर हरियागढ़ किला हजारों वर्ष पुराने महाराजाओं की शान रहा है। राजा हरिया के राजसिंहासन के बाद हरियागढ़ 16 वी शताब्दी के अंतिम वर्ष मे राजा जाटवा शासक रहा धुरवा गौंड राजाओं की राजधानी महकते सौंदर्य और लहकते लावण्य के बहकते रुप के लिए चर्चित रहा हरियागढ़ किला राजसिंहासन मे राजा दृष्टि सामाजिक कल्याण एवं विकास समिति अध्यक्ष बुनेश राजबैठे ने बताया कि राजा जाटवा के शासनकाल मे जारी सिक्के आज नागपुर संग्रहालय मे रखे हुए है। 15 सौ फीट उचांई वाले पहाड़ स्थित किले मे सुरंगे है। अध्ययनरत छात्र वैध श्री भरत इवनाती द्वारा विभिन्न प्रकार की आयुर्वेदिक वन औषधी के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया कि यह औषधि हमारे दैनिक जीवन बहुउपयोगी होती है। योगिता मर्सकोले द्वारा समस्त छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा
Municipal Corporation Chhindwara
Add.In tront ot shukla gound. guraiya road Tel-07162-222346 E-mail-commchhindwara@mp.gov.in
क्र./7521/रा.शा./न.पा.नि./2026 छिंदवाड़ा दिनांक 13/03/2026

::-आम-सूचना आपत्ति-इश्तहार-::

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि फव्वारा चौक के पास स्थित कॉम्पलेक्स दुकान क्रमांक 1 से 14 प्रथमतल, जिसका क्षेत्रफल 4487 वर्गफीट जो कि अनारक्षित श्रेणी हेतु आवंटित है, उक्त दुकान में आवेदकगण श्री सतीश पिता बालचंद माधवानी, श्रीमति महक पति महेश माधवानी, श्री सुनील पिता लालचंद वाधवानी एवं श्री संतोष पिता लालचंद वाचवानी द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन-पत्र, अंतरण विलेख-पत्र दिनाँक 07.02.2023 शपथ-पत्र दिनाँक 07.02.2023 प्रस्तुत किया है। उक्त दुकान वर्तमान में श्री हरीशचंद दुग्गड़ पिता श्री नेमीचंद दुग्गड़ के नाम पर दर्ज है। जो आवेदकगण को अंतरण विलेख-पत्र दिनाँक 07.02.2023 शपथ-पत्र दिनाँक 07.02.2023 के द्वारा प्राप्त हुई है। जिसमें आवेदकगण अपना नाम दर्ज करवाना चाहते है। उक्त दुकान की चतुर्थ सीमा निम्नानुसार है:- उत्तर में- गलियारा, दक्षिण में- टॉउन हॉल परिसर, पूर्व में- रमेश सोनी की दुकान एवं पश्चिम में-गलियारा स्थित है।
प्रस्तुत आवेदन-पत्र, अंतरण विलेख-पत्र एवं शपथ-पत्र के आधार पर उक्त दुकान का नामान्तरण आवेदकगण श्री सतीश पिता बालचंद माधवानी, श्रीमति महक पति महेश माधवानी, श्री सुनील पिता लालचंद वाधवानी एवं श्री संतोष पिता लालचंद वाधवानी के नाम पर किये जाने में यदि किसी व्यक्ति अथवा कोई हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मय दस्तावेजों सहित कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित में अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि बाद किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा(म.प्र.)

मोबाइल छोड़ो मैदान जोड़ो के संदेश के साथ बच्चों के लिए सुनहरा अवसर

बच्चों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मिलेगा मौका

नवभारत न्यूज
जुन्नारदेव, 14 मार्च, आज के डिजिटल दौर में जहाँ बच्चे मोबाइल और टीवी की दुनिया में अधिक समय बिताने लगे हैं, वहीं बच्चों को खेल, फिटनेस और आत्मरक्षा की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आई मार्शल आर्ट्स स्पोर्ट्स अकादमी द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 2 माह का भव्य समर स्पोर्ट्स कैंप आयोजित किया जा रहा है। यह कैंप 20 मार्च से 20 मई 2026 तक विद्या देवी शुक्ला महाविद्यालय प्रांगण, जुन्नारदेव में प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगा।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच योगेश रुखमांगद ने बताया कि यह समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से तैयार किया गया है। कैंप में बच्चों को कराते, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, थांगता मार्शल आर्ट, योगा व मेडिटेशन, दौड़, एथलेटिक्स, चित्रकला, वाद-विवाद, टीम गेम्स और कई रोमांचक आउटडोर गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों को ट्रेकिंग के माध्यम से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की सीमाओं का भ्रमण भी कराया जाएगा, जिससे उनमें साहस, प्रकृति के प्रति जुड़ाव और नई चीजें सीखने की उत्सुकता विकसित हो सके। इस समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, टीमवर्क, सहनशक्ति और सकारात्मक सोच का विकास करना है। बच्चों की आयु के अनुसार बालक एवं बालिका वर्ग में एथलेटिक्स प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसमें खिलाड़ियों को पहले बेसिक स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी और फिर उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा। गौरतलब है कि इसी समर कैंप से प्रशिक्षण लेकर अब तक 100 से अधिक खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मेडल जीतकर अपने माता-पिता और जुन्नारदेव शहर का नाम रोशन कर चुके हैं।समर कैंप में पंजीयन की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच योगेश रुखमांगद ने सभी माता-पिता से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को बचपन से ही खेल, फिटनेस और आत्मरक्षा से जोड़ें, क्योंकि स्वस्थ और आत्मविश्वासी बचपन ही उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव होता है।